नामांक Roll No.

No. of Questions — 13

S—01—Hindi (Supp.)

No. of Printed Pages — 11

माध्यमिक पूरक परीक्षा, 2013

SECONDARY SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2013

हिन्दी

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

खण्ड - क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

प्रशंसा निश्चित रूप से सद्गुण पर आश्रित रहती है, भले ही वह वास्तविक हो या कल्पित । चोर भी यह सुनना नहीं चाहता कि वह चोरों का सिरमौर है । कायर और डरपोक की प्रशंसा इसमें नहीं है कि उससे बढ़कर कोई कायर या डरपोक नहीं मिलेगा । चोर को प्रसन्नता तभी होती है जब आप उसे साधुओं में अग्रणी कहें; कायर को प्रसन्न करना हो, तो उसे वीरों का आदर्श-स्तम्भ बतायें । इसी प्रकार मूढ़ को विद्वान, निर्धन को धनी और नृशंस को दया का अवतार कहकर ही आप प्रशंसा कर सकते हैं । जिस तरह प्रशंसा सद्गुणों पर आश्रित रहती है, उसी प्रकार निन्दा दुर्गुणों पर । बुराई को लेकर प्रशंसा हो ही नहीं सकती । प्रशंसा के लिए प्रेम जितनी अनुकूल वृत्ति है, ईर्ष्या उतनी ही प्रतिकूल । जिससे प्रेम है उसकी प्रशंसा करते समय मनुष्य अविद्यमान दोषों की उद्भावना कर लेती है । प्रशंसा के लिए ईर्ष्या बड़ी घातक होती है । जहाँ ईर्ष्या है वहाँ प्रशंसा टिक नहीं सकती ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 2

(ख) प्रियजन की प्रशंसा करते समय प्रशंसक क्या करता है ? 2

(ग) प्रशंसा करने में सहायक और विरोधी भावों का नामोल्लेख कीजिए । 1 + 1

(घ) ''ईर्ष्या विद्यमान गुणों पर भी पर्दा डाल देती है'' का भावार्थ लिखिए । 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है
शत्रु हट गया लेकिन उसकी
छायाओं का डर है

शोषण से मृत है समाज
कमजोर हमारा घर है
किन्तु आ रही नई जिन्दगी
यह विश्वास अमर है

जनगंगा में ज्वार,
लहर तुम प्रवहमान रहना
पहरुए सावधान रहना !

(क) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 1

(ख) 'लहर तुम प्रवहमान रहना' पंक्ति का क्या आशय है ? 2

(ग) कवि का 'हमारा घर' से क्या आशय है और उसके कमजोर होने का क्या कारण है ? 2

(घ) 'जनगंगा' में कौन-सा अलंकार है ? स्पष्ट कीजिए । 2

अथवा

मैंने छुटपन में छिपकर पैसे बोये थे,
सोचा था, पैसों के पेड़ उगेंगे,
रुपयों की कलदार मधुर फसलें खनकेंगी,
और फूल फलकर मैं मोटा सेठ बनूँगा !
पर बंजर धरती में एक न अंकुर फूटा
मैं अबोध था, मैंने गलत बीज बोये थे,
ममता को रोपा था, तृष्णा को सींचा था ।
औ', जब फिर से गाढ़ी ऊदी लालसा लिए,
गहरे कजरारे बादल बरसे धरती पर,
बीज सेम के दबा दिये मिट्टी के नीचे ।
आह ! समय पर उसमें कितनी फलियाँ टूटीं ।
रत्न प्रसविनी है वसुधा, अब समझ सका हूँ ।
इसमें सच्ची ममता के दाने बोने हैं,
इसमें जन की क्षमता के दाने बोने हैं,
इसमें मानव ममता के दाने बोने हैं
जिससे उगल सके फिर धूल सुनहली फसलें
मानव की — जीवन श्रम से हँसे दिशाएँ
हम जैसा बोएँगे, वैसी ही पायेंगे ।

(क) उपर्युक्त का उचित शीर्षक लिखिए । 1

(ख) कवि पैसे बोकर क्या सोच रहा था ? 2

(ग) मानवता की फसल उगाने के लिए किस प्रकार के बीज बोने की आवश्यकता है ? 2

(घ) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :

(i) मानव (ii) वसुधा । 2

खण्ड - ख

3. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(क) भारतीय नारी : कल और आज

(i) समाज और परिवार में नारी का स्थान

(ii) पुराने समय की नारी

(iii) आज की नारी

(iv) भविष्य की नारी

(v) उपसंहार ।

(ख) स्वस्थ तन : सुखी जीवन

(i) शरीर का महत्व

(ii) स्वस्थ शरीर की कार्यक्षमता

(iii) स्वस्थ शरीर और सुख की अनुभूति

(iv) अस्वस्थ शरीर और दुख की अनुभुति

(v) शरीर को स्वस्थ रखने के उपाय

(vi) उपसंहार ।

(ग) विज्ञापनों की दुनिया

(i) विज्ञापन का अर्थ

(ii) विज्ञापनों का उद्देश्य

(iii) विज्ञापनों का वर्तमान स्वरूप

(iv) विज्ञापनों से लाभ

(v) विज्ञापनों से हानियाँ

(vi) विज्ञापनों से सावधान रहने की आवश्यकता

(vii) उपसंहार ।

(घ) मेरा प्रगतिशील गाँव

(i) गाँवों का पुराना स्वरूप

(ii) गाँवों का नया उभरता स्वरूप

(iii) सरकारी योजनाओं से गाँव का विकास

(iv) जनसहभागिता और ग्राम विकास

(v) भविष्य के सपने

(vi) उपसंहार ।

4. आप मेरठ निवासी प्रकाश शर्मा हैं । आप अपनी नव-विवाहिता बहन के पास रक्षाबंधन पर पहुँच रहे हैं । पत्र द्वारा इसकी सूचना अपनी बहन को दीजिए । 5

अथवा

आप स्वयं को कमल वर्मा निवासी कानपुर मानते हुए आपके क्षेत्र में हो रही हरे पेड़ों की कटाई रुकवाने के लिए जिला कलेक्टर को पत्र लिखिए । 5

5. (क) ''यह खिलौना किसने तोड़ दिया'' वाक्य में कौन-सा पद क्रिया है ? उसकी परिभाषा लिखिए । 2

(ख) '<u>मोहन</u> छत पर <u>पतंग</u> उड़ा रहा है' वाक्य के रेखांकित पदों के पद-परिचय के दो-दो बिन्दु लिखिए । 2

(ग) मिश्र वाक्य और संयुक्त वाक्य का अंतर स्पष्ट कीजिए । 2

(घ) (i) 'तुक्का लगना' मुहावरे का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

(ii) 'रामजी की चिरई रामजी का खेत' लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए । 1 + 1

(ङ) 'लखन उतर आहुति सदिस मृगबर कोप कृसानु' पंक्ति में आए अलंकार का नामोल्लेख करते हुए उसकी परिभाषा लिखिए । 2

खण्ड - ग

6. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग
और उसकी आवाज में जो हिचक साफ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं
उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए ।

(क) संगतकार क्या करने में हिचकता है ? 2

(ख) कवि ने संगतकार की किस भावना को मनुष्यता कहा है ? 2

अथवा

फसल क्या है ?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण धर्म है
रूपांतर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का !

(क) कवि ने फसल को, हाथों के स्पर्श की महिमा क्यों बताया है ? 2

(ख) हवा के संकोच त्याग कर जोर-जोर से चलने का फसल पर क्या प्रभाव पड़ेगा ? 2

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए : (उत्तर सीमा 40 शब्द)

(क) ''यह तौ 'सूर' तिनहि लै सौंपौ, जिनके मन चकरी'' कहकर गोपियाँ उद्धव की योग शिक्षा को अपने लिए अनुपयोगी क्यों बताती हैं ? 2

(ख) 'सेवकु सो जो करै सेवकाई । अरिकरनी करि करिअ लराई ॥''
परशुरामजी ने यहाँ 'अरिकरनी' किस कार्य को बताया है और उसे क्या आदेश दिया है ? 2

(ग) 'कन्यादान' के माध्यम से ऋतुराज ने लड़कियों को क्या सन्देश दिया है ? 2

(घ) देव कवि ने सवैया में भगवान कृष्ण का 'श्री ब्रजदूलह' कहकर जो सौन्दर्य चित्रण किया है उसे लिखिए । 2

8. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म कथा ?
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा ।

(क) प्रस्तुत पद्यांश की भाषा कौन-सी है ? 1

(ख) कवि ने इस अंश में कौन-सी कथन शैली को अपनाया है ? 1

(ग) 'थकी सोई है मेरी मौन व्यथा' में निहित अलंकार लिखिए । 1

(घ) इस अंश में कवि की कौन-सी मनोभावनाएँ व्यक्त हुई हैं ? 1

(ङ) तीसरी पंक्ति में प्रयुक्त कौन-से दो शब्दों ने रोचकता पैदा कर दी है ? 1

अथवा

विकल, विकल, उन्मन थे उन्मन
विश्व के निदाघ के सकल जन
आये अज्ञात दिशा से अनंत के घन !
तप्त धरा, जल से फिर
शीतल कर दो — बादल ! गरजो !

(क) प्रस्तुत पंक्तियों में किसको सम्बोधित किया गया है ? 1

(ख) यह किस प्रकार का गीत है ? 1

(ग) उक्त पंक्तियों में आये ध्वनिवाचक शब्दों को लिखिए । 1

(घ) काव्यांश में प्रयुक्त भाषा कौन सी है ? 1

(ङ) काव्य में गेयता किस कारण से आ गयी है ? 1

9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

सचमुच हैरान करती है काशी — पक्का महाल से जैसे मलाई बरफ़ गया, संगीत, साहित्य और अदब की बहुत सारी परम्पराएँ लुप्त हो गईं । एक सच्चे सुर साधक और सामाजिक की भाँति बिस्मिल्ला खाँ साहब को इन सब की कमी खलती है । काशी में जिस तरह बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ एक दूसरे के पूरक रहे हैं उसी तरह मुहर्रम-ताजिया और होली-अबीर, गुलाल की गंगा-जमुनी संस्कृति भी एक दूसरे के पूरक रहे हैं । अभी जल्दी ही बहुत कुछ इतिहास बन चुका है, अभी आगे बहुत कुछ इतिहास बन जायेगा । फिर भी कुछ बचा है जो सिर्फ काशी में है, काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती है और उसी की थापों पर सोती है ।

(क) काशी से क्या-क्या लुप्त हो गया है ? 2

(ख) काशी में क्या-क्या एक दूसरे के पूरक हैं ? 2

अथवा

फ़ादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे । कभी-कभी लगता है वह मन से संन्यासी नहीं थे । रिश्ता बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे । दसियों साल बाद मिलने के बाद भी उसकी गंध महसूस होती थी । वह जब भी दिल्ली आते ज़रूर मिलते — ख़ोजकर, समय निकालकर, गर्मी, सर्दी, बरसात झेलकर मिलते, चाहे दो मिनट के लिए ही सही । यह कौन संन्यासी करता है ? उनकी चिंता हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की थी । हर मंच से इसकी तकलीफ बयान करते, इसके लिए अकाट्य तर्क देते । बस इसी एक सवाल पर उन्हें झुंझलाते देखा है और हिन्दी वालों द्वारा ही हिन्दी की उपेक्षा पर दुख करते उन्हें पाया है ।

(क) फ़ादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे, मन से नहीं । क्यों ? 2

(ख) हिन्दी के लिए फादर के मन में क्या भाव थे ? 2

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए : (उत्तर सीमा 40 शब्द)

(क) 'लखनवी अंदाज' पाठ के लेखक ने सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा ? 2

(ख) मन्नू भंडारी के पिता को इन्दौर क्यों छोड़ना पड़ा ? 2

(ग) 'प्राचीन समय में स्त्रियों को शिक्षा देने का चलन नहीं था' के पक्ष में स्त्री शिक्षा के विरोधियों ने क्या तर्क दिए हैं ? 2

(घ) भदंत आनन्द कौसल्यायन ने कूड़े करकट का ढेर किसे बताया है ? 2

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) देश प्रेम के अनेक रूप हो सकते हैं, 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए । (उत्तर सीमा 40 शब्द) 2

(ख) 'पुत्र-मृत्यु की घटना ने सिद्ध कर दिया कि बालगोबिन भगत सच्चे ज्ञानी थे ।' स्पष्ट कीजिए । (उत्तर सीमा 60 शब्द) 3

खण्ड - घ

12. " 'जार्ज पंचम की नाक' पाठ सरकारी दफ्तरों की कार्य प्रणाली पर व्यंग्य है ।" समझाइए । (उत्तर सीमा 80 शब्द) 4

अथवा

'मेरे लिए यह यात्रा सचमुच ही एक खोज-यात्रा थी ।'

मधु कांकरिया ने ऐसा क्यों माना है ? (उत्तर सीमा 80 शब्द) 4

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए : (उत्तर सीमा 40 शब्द)

(क) भोलानाथ और उसके पिता किस प्रकार खेला करते थे ? 2

(ख) रात की रोशनी में गंतोक की मोहकता के दृश्य के बारे में लिखिए । 2

(ग) 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा !' पाठ में दुलारी का क्या पेशा बताया गया है ? 2

(घ) प्रत्यक्ष अनुभव से अनुभूति को अज्ञेय ने कैसे भिन्न बताया है ? 2